Dr. Premlata
Department of History

P.G. SEM IV

Date ___/___/___

प्राचीन काल में किसान आंदोलन

प्राचीन भारत में किसान आंदोलनों का इतिहास बहुत पुराना है। इन आंदोलनों का मुख्य कारण था शासकों द्वारा किसानों का शोषण और अत्यधिक कर वसूली।

वैदिक काल में किसानों को 'विश' कहा जाता था और वे समाज के महत्वपूर्ण अंग थे। लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता गया, शासकों की शक्ति बढ़ती गई और किसानों का शोषण भी बढ़ता गया।

मौर्य काल में अशोक के शासनकाल में किसानों को कुछ राहत मिली, लेकिन उसके बाद फिर से शोषण शुरू हो गया। गुप्त काल में भी किसानों की स्थिति खराब थी।

मध्ययुगीन काल में किसानों के कई बड़े आंदोलन हुए, जैसे कि जाट विद्रोह, सतनामी विद्रोह, और पुरुक विद्रोह। इन आंदोलनों का मुख्य उद्देश्य था शासकों के अत्याचारों का विरोध करना और अपने अधिकारों की मांग करना।

Premlata
History

Page No.